

झारखण्ड गजट

असाधारण अंक झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

संख्या 596 राँची, शुक्रवार

15 कार्तिक, 1937 (श॰)

6 नवम्बर, 2015 (ई॰)

श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग

अधिसूचना

4 नवम्बर, 2015

एस॰ ओ॰-76-1952--भवन एवं अन्य सिन्निर्माण कर्मकार (नियोजन एवं सेवा शर्त विनियमन) अधिनियम, १९९६ सह पिठत भवन एवं अन्य सिन्निर्माण कर्मकार (नियोजन एवं सेवाशर्त विनियमन) झारखंड नियमावली, २००६ के प्रयोजनार्थ तथा झारखंडभवन एवं अन्य सिन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की दिनांक 14 अगस्त, 2015 को आहूत बैठक में लिए गए निर्णय एवं प्राप्त अनुशंसा के आलोक में झारखंड राज्यपाल राज्य में भवन एवं अन्य सिन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के निबंधित लाभुक श्रमिकों के हित में मेधावी पुत्र/पुत्री छात्रवृति योजना में आंशिक संशोधन करते हुए इसके लिए निम्नानुसार व्यय की अनुमित प्रदान करतें हैं अर्थात:-

मेधावी पुत्र/पुत्री छात्रवृति योजना:-

इस योजना के अंतर्गत बोर्ड द्वारा निबंधित लाभुक श्रमिकों के वैसे दो मेधावी संतानों तक को, जिन्होने निम्नलिखित परीक्षा में (कक्षा १ से ५ तक को छोड़कर) में से कोई भी परीक्षा द्वितीय श्रेणी या ४५% अंक प्राप्त करके उतीर्ण की हो या किसी प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर पाठ्यक्रम में प्रवेश किया हो निम्नलिखित दर से छात्रवृति का भुगतान किया जाएगा :- २.

क्रमांक	कक्षावार विवरण	वार्षिक छात्रवृति के राशि (रुपये में)	
		ভার	ভারা
₹.	कक्षा १ से ५ वीं तक (के सभी छात्रों को) ।	१०००/-	१५००/-
₹.	कक्षा ६ से ८ वीं ।	१५००/-	₹000/-
3.	कक्षा ९ से १२ वीं ।	2000/-	3000/-
8.	स्नातक कक्षा यथा-बी॰ए॰, बी॰एस॰सी॰,बी॰कॉम॰,डिप्लोमा आदि ।	3000/-	५०००/-
બ _°	स्नातकोत्तर कक्षा यथा-एम०ए०, एम०एस०सी०, एम०कॉम०, स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि ।	५०००/-	ξοοο/-
ξ.	स्नातक स्तर के व्यवसायिक पाठ्यक्रम में अध्ययनरत होने पर (इंजीनियरिंग तथा मेडिकल छोड़कर) ।	ξοοο/-	C000/-
lg.	स्नातक स्तर के मेडिकल तथा इंजीनियरिंग कोर्स में अध्ययनरत होने पर छात्रवृति या संबन्धित संस्थान की वास्तविक ट्यूशन फी की प्रतिपूर्ति दोनों में जो अधिक हो। बशर्तें न्यूनतम एक वर्ष के अध्ययनरत की अनिवार्यता होगी और उन्हें किसी अन्य छात्रवृति योजना का लाभ नहीं मिलता हो।	7 -	30000/

(संख्या-०२/श्रमा॰का॰(BOCW Act)-०४/२०१४ श्र॰नि०-१९५२/०४-११-२०१५)

झारखंड राज्यपाल के आदेश से,

ह०/-(अस्पष्ट) सरकार के अवर सचिव ।
